RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
02
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

CBI भ्रष्टाचार के 7000 से अधिक मामले अदालत में सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं / Over 7000 CBI graft case await trial in court: report

संदर्भ:

केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) की नई वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि देशभर की अदालतों में CBI द्वारा जांचे गए **7,072 भ्रष्टाचार के मामले लंबित** हैं। इनमें से **2,660 मामले 10 साल से अधिक पुराने** हैं, जबकि **379 मामले 20 साल से भी अधिक** समय से अटके हुए हैं।

31 दिसंबर 2024 तक के आंकड़ों के मुताबिक-

- 379 मामले 20 साल से ज्यादा पुराने हैं।
- 2,281 मामले 10 से 20 साल के बीच के हैं।
- 2,115 मामले 5 से 10 साल के बीच लंबित हैं।
- 791 मामले 3 से 5 साल के बीच के हैं।
- 1,506 मामले 3 साल से कम समय से पेंडिंग हैं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि अधिकांश मामले लंबे समय से फंसे हुए हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया में देरी के कारण हैं। उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में 13,100 अपीलें और संशोधन याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें 606 अपीलें 20 साल से अधिक, और 1,227 अपीलें 15-20 साल से लंबित हैं।

2024 में निपटारे और दोषसिद्धि दर: रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में कुल 644 मामलों का निपटारा हुआ, जिनमें 392 में दोषसिद्धि, 154 में दोषमुक्ति, 21 में आरोपी बरी और 77 मामलों का अन्य कारणों से निपटारा किया गया। दोषसिद्धि दर 2024 में 69.14% रही, जो 2023 की 71.47% के मुकाबले कम है।

सीबीआई की नई जांच और लंबित मामलों की स्थिति:

सीवीसी रिपोर्ट 2024 के अनुसार, सीबीआई ने 2024 में **807 नए मामले** दर्ज किए जिनमे से 674 नियमित मामले, 133 प्रारंभिक जांच और कुल में से 502 मामले भ्रष्टाचार से संबंधित थे।

- 31 दिसंबर 2024 तक 529 मामले अभी भी जांच के अधीन थे, जिनमें 56 मामले 5 साल से पुराने हैं, जो जांच प्रक्रिया में देरी को दर्शाते हैं।

सीबीआई के कर्मचारियों के खिलाफ भी मामले लंबित: इसके अलावा, सीबीआई के कर्मचारियों के खिलाफ 60 विभागीय कार्रवाई के मामले लंबित हैं जिनमे 39 ग्रुप 'ए' अधिकारियों के खिलाफ और 21 ग्रुप 'बी' और 'सी' कर्मचारियों के खिलाफ लंबित हैं, यह आंकड़ा सीबीआई की आंतरिक सत्यनिष्ठा और जवाबदेही पर भी सवाल उठाता है।

न्यायिक देरी और उसके प्रभाव:

भारत में भ्रष्टाचार मामलों में लंबित मामलों की समस्या काफी गंभीर है और यह नई नहीं है। न्यायिक प्रक्रिया में देरी के मुख्य कारण हैं:

- पर्याप्त जज न होने से मामलों की सुनवाई समय पर नहीं हो पाती।
- लगातार टली सुनवाई मामलों को लंबित रखती है।
- सबूतों की बहुलता और दस्तावेज़ी जटिलताओं के कारण मामलों का निपटारा धीमा होता है।
- उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में लंबित अपीलें मुख्य मामलों की प्रगति को प्रभावित करती हैं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) के बारे में:

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) एक गैर-संवैधानिक और गैर-कानूनी संस्था है, जो अपनी जांच की शक्तियाँ दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (DSPE) अधिनियम, 1946 से प्राप्त करती है। यह भारत की प्रमुख एजेंसी है, जो इंटरपोल सदस्य देशों के लिए जांचों का समन्वय करती है। CBI कर्मचारी विभाग, लोक शिकायत और पेंशन **मंत्रालय** के अधीन कार्य करती है।

संरचना: CBI का नेतृत्व एक **निदेशक** करता है, जिन्हें विशेष निदेशक या अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल, पुलिस अधीक्षक (SP) और अन्य पुलिस अधिकारियों की टीम सहायता प्रदान करती है।

CBI निदेशक की नियुक्ति

- **लोकपाल अधिनियम से पहले:** नियुक्ति DSPE अधिनियम के तहत होती थी।
- **लोकपाल अधिनियम के बाद:** नियुक्ति लोकपाल अधिनियम के तहत सर्च कमेटी के सुझाव पर होती है, जिसमें शामिल हैं: प्रधानमंत्री (अध्यक्ष), भारत के मुख्य न्यायाधीश, विपक्ष के नेता
- **कार्यकाल:** 2 वर्ष (**CVC अधिनियम, 2003** के तहत सुरक्षित)।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार / Ramon Magsaysay Award

संदर्भ:

गाँवों में स्कूल से वंचित बेटियों को शिक्षा से जोड़ने वाली एनजीओ **'एजुकेट गर्ल्स'** को वर्ष 2025 का **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। यह जानकारी रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन ने दी। **'एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** यह सम्मान पाने वाला पहला भारतीय गैर-सरकारी संगठन बना है।

एजुकेट गर्ल्स: सफीना हुसैन का शिक्षा से बदलाव का अभियान:

एजुकेट गर्ल्स की स्थापना साल 2007 में सफीना हुसैन ने की थी। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई करने और सैन फ्रांसिस्को में काम करने के बाद उन्होंने भारत लौटकर महिला शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। उनका लक्ष्य था, उन समुदायों तक पहुँचना, जहाँ लड़कियों को स्कूल तक पहुँच ही नहीं मिल पाती थी।

शुरुआत राजस्थान से हुई, जहाँ संगठन ने गाँव-गाँव जाकर बच्चियों का स्कूलों में दाखिला सुनिश्चित किया। धीरे-धीरे यह पहल पूरे भारत के सबसे पिछड़े इलाकों तक फैल गई।

नवाचार और उपलब्धियां:

- **2015** में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र का दुनिया का पहला **डेवलपमेंट इम्पैक्ट बॉन्ड (DIB)** लॉन्च किया। इसमें निवेशक शिक्षा परियोजनाओं को फंड करते हैं और तय नतीजे आने पर उन्हें रिटर्न मिलता है।
- पायलट प्रोजेक्ट 50 गाँवों से शुरू होकर अब 30,000 से अधिक गाँवों तक पहुँच चुका है।
- संगठन ने **'प्रगति' ओपन-स्कूलिंग कार्यक्रम** भी शुरू किया, जिससे 15-29 वर्ष की लड़कियों और महिलाओं को पढ़ाई पूरी करने का अवसर मिला। पहले बैच में 300 छात्राएँ थीं, जो अब बढ़कर 31,500 से ज्यादा हो चुकी हैं।

अब तक का असर

- 30,000+ गाँवों में सक्रिय उपस्थिति
- 55,000 से अधिक सामुदायिक स्वयंसेवक (टीम बालिका)
- 20 लाख से अधिक लड़कियाँ स्कूल वापस लाई गईं
- 24 लाख से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई बेहतर हुई

भविष्य का लक्ष्य: एजुकेट गर्ल्स का विज़न है कि अगले कुछ वर्षों में यह पहल **1 करोड़ से अधिक बच्चों** तक पहुँचे और शिक्षा की ताकत से गरीबी और अशिक्षा के चक्र को तोड़ा जा सके।

67वीं रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड सेरेमनी: 2025 के सभी विजेताओं को यह प्रतिष्ठित सम्मान 7 नवंबर 2025 को फिलीपींस की राजधानी मनीला के मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित 67वीं रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड सेरेमनी में औपचारिक रूप से प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उन्हें मेडल और सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

क्या है रेमन मैग्सेसे पुरस्कार?

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार की स्थापना वर्ष **1957** में **फिलीपींस सरकार** और **अमेरिका के रॉकफेलर ब्रदर्स फंड** ने की थी। इसे औपचारिक रूप से **1958 से प्रदान किया जाने लगा।** इसे अक्सर **"एशिया का नोबेल पुरस्कार"** कहा जाता है, क्योंकि यह महाद्वीप में उत्कृष्ट नेतृत्व, ईमानदारी और समाजसेवा को मान्यता देता है। पिछले छह दशकों में **300 से अधिक व्यक्तियों और संगठनों** को यह सम्मान मिल चुका है।

पुरस्कार की खास बातें:

- हर वर्ष **31 अगस्त** को, फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति **रेमन मैग्सेसे की जयंती** पर विजेताओं की घोषणा होती है।
- चयन प्रक्रिया **गोपनीय नामांकन और गहन जांच** पर आधारित होती है।
- विजेताओं को **पदक और प्रमाणपत्र** प्रदान किया जाता है।
- पदक पर रेमन मैग्सेसे की उभरी हुई छवि अंकित होती है।
- यह सम्मान **नवंबर माह में मनीला** (फिलीपींस की राजधानी) में आयोजित औपचारिक समारोह में दिया जाता है।

कौन थे रेमन मैग्सेसे?

- **जन्म:** 31 अगस्त 1907, फिलीपींस।
- **सैन्य करियर:** द्वितीय विश्व युद्ध में गुरिल्ला नेता; बाद में ज़म्बालेस प्रांत के सैन्य गवर्नर।
- **राजनीतिक करियर:** दो बार कांग्रेस सदस्य, फिर राष्ट्रीय रक्षा सचिव।
- **राष्ट्रपति:** 1953 में नैशनलिस्ट पार्टी से चुने गए।
- वे **20वीं सदी में जन्मे पहले** और **स्पेनिश शासन के बाद जन्म लेने वाले पहले राष्ट्रपति** थे।
- **मृत्यु:** 17 मार्च 1957, एक हवाई दुर्घटना में।

उनकी स्मृति में 1957 में यह पुरस्कार स्थापित किया गया, जो **एशिया में निस्वार्थ सेवा और असाधारण नेतृत्व** को सम्मानित करता है।

FTA के तहत ब्रिटेन को भारत का कपड़ा निर्यात अमेरिकी घाटे की भरपाई कर सकता है: केयरएज रेटिंग्स / India's textile export to UK under FTA may offset US losses: CareEdge Ratings

संदर्भ:

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों पर 50% टैरिफ लागू कर दिया है, जिससे देश के टेक्सटाइल और कपड़ा निर्यात पर असर पड़ सकता है। हालांकि, केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) इस नुकसान की भरपाई करने में मदद कर सकता है, खासकर रेडीमेड गारमेंट्स (RMG) और होम टेक्सटाइल सेक्टर में। इसके अलावा, यूरोपीय संघ (EU) के साथ चल रही FTA बातचीत भी भारतीय टेक्सटाइल व्यापार के लिए नए अवसर खोल सकती है।

अमेरिकी के 50% टैरिफ से भारत के कपड़ा और टेक्सटाइल उद्योग पर प्रभाव:

1. अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात बाजार: पिछले चार सालों (2021-2024) में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा टेक्सटाइल और कपड़ा एक्सपोर्ट मार्केट रहा है, जो कुल निर्यात का 28-29% हिस्सा है। भारत मुख्य रूप से कॉटन-बेस्ड होम टेक्सटाइल और कपड़े अमेरिका को भेजता है, जो 2024 में कुल टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का 90% था। अमेरिका के अलावा अन्य प्रमुख निर्यात बाजार हैं:

- **बांग्लादेश:** 7%
- **यूके:** 6%
- **UAE:** 5%
- **जर्मनी:** 4%

इससे स्पष्ट है कि अमेरिका भारतीय टेक्सटाइल उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजार है।

2. अमेरिकी टैरिफ से भारत के कपड़ा और टेक्सटाइल उद्योग पर अन्य प्रभाव: अमेरिका ने भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों पर **50% टैरिफ** लागू कर दिया है, जिससे उद्योग पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

- **प्रतिस्पर्धा में कमी:** बढ़े हुए टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद **कम प्रतिस्पर्धी** होंगे, जिसका लाभ चीन और वियतनाम जैसे देशों को मिल सकता है।
- **उच्च टैरिफ का स्तर:** भारत पर लागू टैरिफ अन्य एशियाई देशों की तुलना में सबसे अधिक है – चीन (30%), वियतनाम (20%), इंडोनेशिया (19%), और जापान (15%)।
- **आर्थिक योगदान:** कपड़ा और परिधान क्षेत्र भारत के GDP का 2.3%, औद्योगिक उत्पादन का 13% और कुल निर्यात का 12% योगदान देता है।
- **निर्यात पर प्रभाव:** विशेषज्ञों के अनुसार, अगले छह महीनों में भारत के कपड़ा निर्यात का लगभग एक चौथाई हिस्सा प्रभावित हो सकता है।

3. उद्योग का आकार और संरचना: 2024-25 में कपड़ा और परिधान क्षेत्र का अनुमानित आकार **179 अरब डॉलर** है, जिसमें **घरेलू बाजार** 142 अरब डॉलर और **निर्यात** 37 अरब डॉलर शामिल है।

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय टेक्सटाइल पर अनुमानित नुकसान: केयरएज रेटिंग्स

- अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में 2026 तक 9-10% की कमी आ सकती है।
- इससे RMG और होम टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स के मुनाफे में 3-5% की गिरावट हो सकती है।
- हालांकि, यह नुकसान इस बात पर निर्भर करेगा कि भारतीय निर्यातक अमेरिकी ग्राहकों के साथ कीमतों पर कितनी प्रभावी बातचीत कर पाते हैं, ताकि एक्सपोर्ट की मात्रा बनाए रखी जा सके।

कपास आयात शुल्क पर छूट 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई: केंद्र सरकार ने कपास आयात पर शुल्क-मुक्त छूट को **31 दिसंबर 2025 तक** बढ़ा दिया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों पर **50% टैरिफ** लगाया है। सरकार का मानना है कि इससे **कपड़ा उद्योग को राहत** मिलेगी और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी।

पहले कितनी थी छूट?

- वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर छूट दी थी।
- बाद में इसे **31 दिसंबर 2024** तक बढ़ाया गया।
- अब यह छूट **31 दिसंबर 2025** तक लागू रहेगी।

कौन से टैक्स हटे? कपास पर कुल **11% आयात शुल्क** लगता था:

- 5% बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD)
- 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर और डेवलपमेंट सेस
- दोनों पर 10% सोशल वेलफेयर सरचार्ज सरकार ने अब ये सभी टैक्स हटा दिए हैं।

नए बाजारों की तलाश: अमेरिकी टैरिफ के असर को कम करने के लिए भारत ने **40 देशों** में विशेष **आउटरीच कार्यक्रम** शुरू किया है, इसमें **यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया** शामिल हैं।

- लक्ष्य है भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों को **नए बाजारों में प्रतिस्पर्धी** बनाना।

मोदी और शी की मुलाकात: प्रमुख परिणाम / Modi and Xi meeting: Key outcomes

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की। यह बैठक एशिया की दो बड़ी शक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संवाद रही, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और एससीओ ढांचे के तहत संवाद को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

SCO शिखर सम्मेलन के प्रमुख परिणाम:

उच्च-स्तरीय बातचीत:

- दोनों नेताओं ने मुलाकात की और आपसी संबंधों में सकारात्मक गति का स्वागत किया।
- यह दोहराया कि वे "विकास सहयोगी" हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं; मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए।

सीमा मुद्दे:

- 2024 में हुई सफल "बॉर्डर डिसएंगेजमेंट" का उल्लेख किया गया।
- तब से अब तक शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमति जताई।

जनता से जनता के रिश्ते:

- सीधी उड़ानों और वीज़ा में आसानी के जरिए आपसी आदान-प्रदान बढ़ाने पर सहमति।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा और टूरिस्ट वीज़ा को फिर से शुरू करने पर बल।

आर्थिक और व्यापारिक सहयोग: दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को विश्व व्यापार की स्थिरता के लिए अहम बताया गया।

बहुपक्षीय सहयोग:

- प्रधानमंत्री ने चीन की एससीओ अध्यक्षता और तियानजिन शिखर सम्मेलन का समर्थन किया।
- राष्ट्रपति शी को भारत के **ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026** में आमंत्रित किया।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO):

उद्भव: शंघाई फाइव (Shanghai Five) की स्थापना 1996 में चीन और सोवियत संघ के चार पूर्व गणराज्यों (कज़ाख़स्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान) के बीच सीमा निर्धारण और निरस्त्रीकरण वार्ताओं से हुई।

- **प्रारंभिक सदस्य:** कज़ाख़स्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान।
- **SCO का गठन:** 2001 में उज़्बेकिस्तान के शामिल होने के बाद शंघाई फाइव का नाम बदलकर शंघाई सहयोग संगठन (SCO) रखा गया।
- **उद्देश्य:** मध्य एशिया में आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को रोकने के लिए क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाना।
- **सदस्य देश (10):** चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस तथा मध्य एशिया के चार देश – कज़ाख़स्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।
- **भारत की सदस्यता:** भारत 2017 में पूर्ण सदस्य बना और 2023 में संगठन की घूर्णन अध्यक्षता (rotating chairmanship) संभाली।
- **आर्थिक व जनसंख्या योगदान:** सदस्य देश वैश्विक GDP का लगभग 30% और विश्व की जनसंख्या का लगभग 40% हिस्सा रखते हैं।
- **पर्यवेक्षक देश:** अफगानिस्तान और मंगोलिया।
- **आधिकारिक भाषा:** रूसी और चीनी।

संरचना:

- सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है **राज्यों के प्रमुखों की परिषद (Council of Heads of States)**, जो साल में एक बार मिलती है।
- संगठन की दो स्थायी संस्थाएं हैं –
  1. सचिवालय (बीजिंग में)
  2. क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी संरचना (RATS) की कार्यकारी समिति (ताशकंद में)।

मालदीव और लक्षद्वीप में समुद्र-स्तर में वृद्धि / Maldives & Lakshadweep Sea-Level Rise

संदर्भ:

समुद्र-स्तर में वृद्धि वैश्विक तापन के सबसे गंभीर प्रभावों में से एक है, जो पारिस्थितिक तंत्र, अर्थव्यवस्थाओं और तटीय बस्तियों के लिए बड़ा खतरा पैदा करती है। हाल ही में किए गए शोध से पता चला है कि हिंद महासागर में समुद्र-स्तर की तेज़ वृद्धि 1950 के दशक से ही शुरू हो गई थी। यह निष्कर्ष प्रवाल माइक्रोएटोल (coral microatolls) के अध्ययन पर आधारित है और उपग्रह तथा ज्वार-भाटा मापन उपकरणों से प्राप्त पूर्व आंकड़ों से कहीं पहले की स्थिति को उजागर करता है। यह खोज न केवल जलवायु परिवर्तन से प्रेरित महासागरीय परिवर्तनों की हमारी समझ को बदलती है, बल्कि विश्व के सबसे घनी आबादी वाले और जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में से एक की बढ़ती संवेदनशीलता पर भी प्रकाश डालती है।

समुद्र स्तर के इतिहास के प्राकृतिक अभिलेखक: कोरल माइक्रोएटोल्स:

1. अद्वितीय प्राकृतिक अभिलेखक (Unique Natural Recorders):

- कोरल माइक्रोएटोल्स चक्राकार (disk-shaped) कॉलोनियाँ होती हैं।
- ये तब ऊपर की ओर बढ़ना बंद कर देती हैं जब इनकी वृद्धि सबसे कम ज्वार (lowest tide) से नियंत्रित हो जाती है।
- इस कारण इनकी सतह लंबे समय तक समुद्र-स्तर परिवर्तन का प्राकृतिक प्रतिबिंब बन जाती है।

2. दीर्घायु और सटीकता (Longevity & Accuracy):

- ये दशकों या सदियों तक जीवित रह सकती हैं।
- ये उच्च-रिज़ॉल्यूशन और सतत (continuous) डाटा प्रदान करती हैं।

3. अध्ययन स्थल (Study Site):

- शोध मालदीव के हुहदू एटोल स्थित महुटिगला (Mahutigalaa reef) पर किया गया।
- इसमें 1930–2019 तक फैली एक *Porites* माइक्रोएटोल का अध्ययन किया गया।

भारतीय महासागर में समुद्र स्तर वृद्धि की गति और पैमाना

1. तेज़ी से बढ़ोतरी (Accelerated Rise):

- 90 वर्षों में समुद्र स्तर में लगभग **0.3 मीटर** की वृद्धि दर्ज की गई।

2. वृद्धि की दरें (Rates of Rise):

- 1930–1959: **1–1.84 मिमी/वर्ष**
- 1960–1992: **2.76–4.12 मिमी/वर्ष**
- 1990–2019: **3.91–4.87 मिमी/वर्ष**

3. महत्वपूर्ण खुलासा (Striking Revelation):

- पहले माना जाता था कि समुद्र स्तर वृद्धि 1990 के आसपास शुरू हुई।
- लेकिन अध्ययन में स्पष्ट हुआ कि यह वृद्धि **1950 के दशक के अंत से** ही शुरू हो चुकी थी।

4. संचयी प्रभाव: मालदीव, लक्षद्वीप और चागोस द्वीपसमूह में पिछले **50 वर्षों में 30–40 सेंटीमीटर** समुद्र स्तर बढ़ चुका है।

- इससे **बाढ़ और तटीय कटाव (erosion)** का जोखिम और अधिक बढ़ गया है।

प्रवाल (Corals) में दर्ज जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकेत:

जलवायु परिवर्तन (Climate Variability)

- प्रवाल की धीमी या बाधित वृद्धि *एल नीनो (El Niño)* और नकारात्मक *इंडियन ओशन डाइपोल (IOD)* घटनाओं से जुड़ी रही।
- इसका अर्थ है कि प्रवाल वृद्धि सीधे जलवायु की अनियमितताओं को दर्शाती है।

खगोलीय प्रभाव (Astronomical Influence)

- प्रवाल की वृद्धि में *18.6 वर्ष का चंद्र नोडल चक्र* (Lunar Nodal Cycle) दर्ज पाया गया।
- इससे समुद्री ज्वार और समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव का प्रमाण मिलता है।

टेक्टोनिक स्थिरता (Tectonic Stability)

- जिस क्षेत्र में प्रवाल स्थित हैं, वहां भूमि का स्थिर होना ज़रूरी है।
- तभी प्रवाल की वृद्धि वास्तविक *समुद्र-स्तर परिवर्तन* को दिखाती है, न कि भूमि की हलचल को।

भारतीय महासागर बेसिन के लिए क्षेत्रीय महत्व:

- **औसत से अधिक गर्मी:** भारतीय महासागर वैश्विक औसत से तेज़ी से गर्म हो रहा है, जिससे समुद्र-स्तर में उतार-चढ़ाव बढ़ रहा है।
- **रणनीतिक कमी (Strategic Gaps):** इसके पर्यावरणीय और भू-राजनीतिक महत्व के बावजूद, मध्य भारतीय महासागर अभी भी *सबसे कम मॉनिटर किए गए* क्षेत्रों में से एक है।
- **क्षेत्रीय भिन्नताएँ (Regional Variations):**
  - तटीय इलाकों में हाल के वर्षों में समुद्र-स्तर तेज़ी से बढ़ा।
  - मध्य बेसिन में यह वृद्धि पहले ही शुरू हो गई थी और ज्यादा तेज़ थी।
  - इसका कारण है *दक्षिणी गोलार्ध की वेस्टरली हवाएँ*, महासागर में गर्मी का संचय और *Intertropical Convergence Zone* का बदलाव।

ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम मानदंडों में परिवर्तन / Changes in Green Credit Programme Norms

संदर्भ:

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक नई अधिसूचना जारी की है, जिसमें बंजर भूमि पर पेड़ लगाने और छत्र आवरण (canopy) विकसित करने के माध्यम से ग्रीन क्रेडिट की गणना की कार्यप्रणाली निर्धारित की गई है। इस पहल का उद्देश्य पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन को बढ़ावा देना, कार्बन अवशोषण को प्रोत्साहित करना और टिकाऊ भूमि उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाना है, ताकि ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के तहत मापने योग्य पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित किए जा सकें।

नए नियमों में प्रमुख बदलाव (Key Changes in Rules):

1. पाँच साल का मानक (Five-Year Benchmark):

- अब क्रेडिट (Credit) तभी मिलेंगे जब पुनर्स्थापन कार्य (restoration work) पाँच साल तक पूरा होगा।
- पहले यह अवधि सिर्फ दो साल थी।

2. छत्र घनत्व आधारित मूल्यांकन: क्रेडिट तभी दिए जाएंगे जब वृक्षारोपण (tree plantation) की **न्यूनतम छत्र घनत्व (canopy density)** 40% तक पहुँचे और पेड़ जीवित हों।

3. नया फ़ॉर्मूला:

- पाँच साल से अधिक उम्र के प्रत्येक जीवित पेड़ पर **एक ग्रीन क्रेडिट** मिलेगा।
- मूल्यांकन और सत्यापन (evaluation & verification) **निर्धारित एजेंसियों (designated agencies)** द्वारा किया जाएगा।

4. गैर-व्यापार योग्य क्रेडिट:

- वृक्षारोपण से मिलने वाले क्रेडिट को न तो **बेचा (tradable)** जा सकता है और न ही **स्थानांतरित (transferable)**।
- केवल **होल्डिंग कंपनी** और उसकी **सब्सिडियरी** के बीच ट्रांसफर की अनुमति होगी।
- पहले जो **बाज़ार आधारित व्यापार** की सुविधा थी, उसे हटा दिया गया है।

5. क्रेडिट के उपयोग की अनुमति: क्रेडिट को केवल एक बार निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है:

- क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण दायित्व
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
- अन्य कानूनी वृक्षारोपण दायित्व
- पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक (ESG) रिपोर्टिंग के लिए

किलर व्हेल / Orca

संदर्भ:

एक नए अध्ययन में पता चला है कि किलर व्हेल इंसानों के व्यवहार को समझने की कोशिश कर सकती हैं। इसके लिए वे उन्हें पूरा शिकार (prey) देकर उनकी प्रतिक्रिया का इंतज़ार करती हैं।

किलर व्हेल (Orcas) के बारे में जानकारी:

विवरण (Description):

- हत्यारा व्हेल, जिन्हें आमतौर पर **Orca** कहा जाता है, पूरी दुनिया में पाई जाती हैं।
- ये डॉल्फ़िन परिवार की सबसे बड़ी प्रजाति हैं।

वितरण (Distribution):

- Orcas सभी महासागरों में पाई जाती हैं।
- ये ठंडे क्षेत्रों जैसे **अंटार्कटिका, नॉर्वे और अलास्का** में सबसे अधिक मिलती हैं।
- साथ ही इन्हें उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भी देखा जा सकता है।

परिवार (Family):

- ये **Delphinidae परिवार** से संबंधित हैं, जिसमें सभी डॉल्फ़िन प्रजातियाँ आती हैं।
- इस परिवार में कुछ बड़ी प्रजातियाँ भी हैं जैसे **लॉन्ग-फिन्ड पायलट व्हेल** और **शॉर्ट-फिन्ड पायलट व्हेल**, हालाँकि इनके नाम में "व्हेल" आता है, लेकिन वास्तव में ये डॉल्फ़िन ही हैं।

व्यवहार (Behaviour):

- Orcas बहुत **सामाजिक जीव** हैं और आमतौर पर समूहों (pods) में रहती हैं।
- ये समूह अक्सर मातृसंबंधी (माँ और उसके परिवार) होते हैं।
- अपनी जिज्ञासु और सामाजिक प्रकृति के कारण ये अक्सर मछली पकड़ने वाली नौकाओं के पास आ जाती हैं।
- ये पानी के भीतर **ध्वनि (sound)** का उपयोग भोजन खोजने, बातचीत और दिशा-निर्धारण (navigation) के लिए करती हैं।

शारीरिक विशेषताएँ (Physical Characteristics):

- वयस्क Orcas लगभग **8 मीटर लंबी** हो सकती हैं।
- इनका वज़न लगभग **6 टन** तक हो सकता है।

संरक्षण स्थिति: IUCN रेड लिस्ट में इन्हें **Data Deficient** श्रेणी में रखा गया है, यानी इनकी वैश्विक जनसंख्या की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE
+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)
FREE
EMI AVAILABLE
» Long-Term Investing Foundations
» Principles of Value Investing and Stock
» Portfolio Construction Mastery
» Sectoral Investing
» Stock Picking Framework
» Active Portfolio Management Techniques
» Mega Cap vs Mid Cap Strategy
SPECIAL BONUS
COURSE VALIDITY
1 YEAR